

*begreifen*: एतच्छ्रुत्वा संपरिगृह्य Kāthop. 2, 13.

— प्र 1) *vor sich hin halten, vorstrecken; halten*: वाहू Çat. Br. 11, 4, 2, 4. MBu. 1, 5999. 2, 2276. 2550. 3, 1634. R. 3, 24, 25. 67, 4. 6, 2, 17. 102, 6. पाणि Çāṅkh. Çr. 1, 6, 10. अञ्जलिपद्मानि R. 2, 3, 1. अग्रिमूर्धं प्राञ्चं प्रगृह्णाति Çat. Br. 6, 4, 2, 10. Kāty. Çr. 16, 5, 7. 17. व्यामग्नौ प्रागृह्णात् TS. 2, 1, 4, 4. यथाञ्चं प्रगृहीतमालुम्पेत्तुचो अग्रये AV. 12, 4, 34. — 2) *darbie-ten*: तस्मै देवा एतां धारां प्रागृह्णन् Çat. Br. 9, 3, 2, 1. Çāṅkh. Çr. 7, 5, 1. fgg. — 3) *ergreifen, aufnehmen*: तृणानि Çāṅkh. Çr. 1, 13, 14. सोमम् Lāṭj. 5, 9, 7. पात्रीम् — दोष्याम् R. 1, 13, 9. हस्ते हस्तेन 3, 21, 9. तां प्रागृह्य निजे चाङ्गे हस्तम् 37, 3. प्रगृह्यमाणा तु महाजवेन Draup. 5, 25. MBu. 3, 448. कचयाहं प्रगृह्य Çuk. 43, 5. जीवयाहम् lebend gefangen nehmen MBu. 13, 3635. धनुः, गदाम्, परिधम् 3, 849. 1476. 11724. 16447. Arā. 3, 25. 6, 16. 7, 11. Draup. 8, 4. R. 1, 74, 18. 2, 33, 33. 36. 5, 79, 6. प्रगृहीताङ्गपद्म Buāg. P. 4, 6, 5. पावत्र चरणौ धातुः — शिरसा प्रयकीष्यामि berühren R. 2, 99, 7. प्रगृह्य *ergriffen habend, mit sich führend, mit*: प्रुक्तानां तु सकृन्नेण वाजिनो रयमुत्तमम् । युक्तं प्रगृह्य भगवान्वातवो ऽप्यागमाम तम् ॥ MBu. 13, 173. Ragh. 12, 104. — 4) *entgegennehmen, empfangen*: तादेदं तावत्प्रगृह्यतामभरणं धनुश्च Çāk. Ch. 7, 24. पूजा प्रगृह्यताम् Varāh. Brh. S. 42 (43), 18. 53. — 5) *anhalten*: तेन हि प्रगृह्यतां वाजिनः Çāk. 6, 15. *anziehen*: तेन हि प्रगृह्यतामभीषवः ebend. v. l. — 6) *an sich ziehen, sich verbinden mit*: प्रगृहीतशक्ति mit seiner Çakti (Energie) Buāg. P. 3, 5, 16. — 7) *freundlich empfangen, sich freundlich beweisen gegen Jmd, begünstigen*: आचार्यास्तत्कृत्यानवमन्य च । यदा सम्यक्प्रगृह्णाति स राज्ञो धर्म उच्यते ॥ MBu. 12, 3445. प्रगृहीतश्च यो ऽमात्यो निगृहीतश्च कार्ष्णिः 4, 122. प्रगृहीते ततो धर्मे प्रपत्स्यति कृतं युगम् Hariv. 11217. तत्रया चरता लोके धर्मो विनिकृतो महान् । अयमर्थः प्रगृहीतश्च R. 6, 11, 18. — 8) *in der Gramm. gesondert halten, isolieren, von der Ablösung der Wörter u. s. w. aus dem Saṁdhi*: प्रयाहं शंसति Ait. Br. 6, 32. — Vgl. प्रगृह्य, प्रयह्. — *caus. in Empfang nehmen*: ततस्तानि प्रयाह्यितुमुपाद्रवन् MBu. 13, 4435.

— परिप्र *um Jmd herumreichen*: उपयतो ऽधर्युं परिप्रगृह्णाति Kāty. Çu. 9, 13, 11.

— प्रतिप्र *wieder aufnehmen* MBu. 12, 6978.

— संप्र 1) *zusammen hinhalten, — vorstrecken* Çat. Br. 1, 9, 2, 20. 4, 3, 5, 21. fgg. 11, 2, 1, 5. — 2) *zusammen ergreifen, — aufnehmen*: गृह्णे चो-पमृतं च Çat. Br. 1, 8, 2, 23. fgg. 9, 2, 19. 2, 3, 2, 44. *ergreifen, anfassen*: गदे MBu. 9, 3181. निस्त्रिंशम् 12, 6170. महाशैलान् R. 6, 76, 9. अनीपूंसंप्रज-याह स्वयम् MBu. 2, 37. उपानहं संप्रगृह्य (सा) Varāh. Brh. S. 88, 3. — 3) *entgegennehmen, annehmen* Jāṇ. 3, 41. Varāh. Brh. S. 57, 10. पूजाम् MBu. 12, 4643. राज्ञो वचनम् *gut aufnehmen* 4644.

— प्रति 1) *anfassen, ergreifen*: कुम्भम् AV. 11, 1, 14. पुत्रस्य शिरः Āçv. Grh. 1, 15. AV. 13, 3, 11. परशुं तप्तम् Kūāṇḍ. Up. 6, 16, 1. अग्रियश्च च वाङ्मयां प्रत्यगृह्णादमर्षितः । मातङ्गमिव मातङ्गः MBu. 3, 441. fg. तेन हि वर्षधरप्रतिगृहीतमेतं तत्रभवतः सकाशं प्रापय Mālav. 47, 15. प्रतिगृह्ये-प्सितं दण्डम् M. 2, 48. तेयानञ्जलिपद्मानि प्रगृहीतानि सर्वशः । प्रतिगृह्य R. 2, 3, 1. प्रतिजग्राह जनन्याश्चरणौ 72, 3. MBu. in Benf. Chr. 36, 17. श्यामं च रक्तपर्वतं कभूव परिवेशनम् । अस्तातचक्रप्रतिमं प्रतिगृह्य दिवाकरम् ॥ R. 3, 29, 4. — 2) *auffangen, auffassen, in sich fassen*: अतस्तितात्प्रति-

गृह्यातपवर्ष्याः Kāty. Çr. 15, 4, 31. RV. 1, 53, 2. वशा यज्ञं प्रत्यगृह्णात् AV. 10, 10, 25. प्रथमो रेतः प्रतिगृह्णाति Çat. Br. 2, 4, 2, 25. VS. 12, 35. — (शो-णितम्) तदप्राप्तं मह्यं पार्थः पाणिभ्यां प्रत्यगृह्णात् MBu. 4, 2209. पात्रं गृ-हीत्वा सौवर्णं जलपूर्णम् — तच्छोणितं प्रत्यगृह्णात् 2211. यथा हि गोवृषो वर्षं प्रतिगृह्णाति लोलाया 7, 5234. गङ्गायमुनयोर्वगम् — प्रतिजग्राह शिरसा 13, 2647. तेषां मुक्तानि शस्त्राणि — स्त्रोतांसि प्रतिजग्राह भदीनामिव सा-गरः R. 3, 31, 11. 33, 16. 4, 8, 5. MBu. 1, 6284. ग्रामादाहृत्य वास्तीयाददौ ग्रामान् — प्रतिगृह्यैव पुटनैव पाणिना शकलेन वा M. 6, 28. — 3) *zu sich nehmen, zum Munde führen, genießen* VS. 2, 11. अन्येन पात्रेण पन्नङ्कु-कृत्यन्येन प्रतिगृह्णाति TBa. 1, 4, 1, 5. RV. 3, 36, 2. — 4) *in Besitz nehmen*: यस्त्वा शाले प्रतिगृह्णाति AV. 9, 3, 9. 15. 16. गुहाम् । प्रतिजग्राह वासार्थम् R. 4, 26, 4. *entwenden* (St.: *wieder zu Besitz kommen*) Jāṇ. 3, 43. — 5) *annehmen, empfangen, sich schenken lassen*: कृष्या RV. 5, 47, 28. 5, 33. 12, 9, 113, 3. 10, 116, 7. AV. 3, 10, 6. तं देवासः प्रति गृह्णात्यश्नम् RV. 1, 162, 15. स्तोमम् 4, 4, 15. 5, 42, 2. AV. 6, 71, 1. रूपं कृ वै कुण्ठयमति यः सन्ने प्रतिगृह्णाति 2, 10, 2. गार्पतश्च मत्तस्य च न प्रतिगृह्यं यत्प्रतिगृह्णीयाच्छर्मलं प्रतिगृह्णीयात् TBa. 1, 3, 2, 7. दक्षिणाम् 2, 2, 5, 1. 3, 4, 1. Çat. Br. 1, 8, 1, 42. 3, 1, 2, 4. 12, 5, 2, 14. 14, 6, 10, 3. Āçv. Grh. 4, 7. प्रत्येवैमेतदज्ञप्र-पन् Ait. Br. 6, 35. — द्वौकसः । इत्याश्च प्रतिगृह्णाति M. 11, 242. हिरण्यं भूमिमश्नम् u. s. w. प्रतिगृह्णात्तद्विद्वान् भस्मीभवति 4, 188. 235. MBu. 1, 1048. 7365. 3, 13571. R. 1, 49, 20. 2, 32, 11. 98, 4. 3, 4, 1. Çāk. 75, 15. Pañ-  
kāt. II, 49. Hit. 12, 1. Buāg. P. 8, 19, 28. यो राज्ञः प्रतिगृह्णाति लुब्धस्य M. 4, 87. 84. 91. Jāṇ. 1, 140. MBu. 3, 12849. एधादकम् — सर्वतः प्रति-गृह्णीयात् M. 4, 247. 251. 10, 102. 107. विद्याम् N. 23, 14. राज्यम् MBu. 14, 15. R. 2, 108, 18. 5, 31, 18. 19. पुरो लङ्काम् 6, 6, 32. पूजाम् MBu. 1, 4249. Benf. Chr. 21, 4. R. 1, 9, 32. 52, 4. अर्हणाम् N. 23, 3. सत्कारम् R. 4, 34, 3. 5. Çāk. 7, 11. सपर्याम् Ragh. 2, 22. केतनम् M. 4, 110. शिरसा प्रतिग्रह् an-  
nehmen und aus Achtung auf den Kopf legen R. 1, 18, 15. — 6) *an-  
greifen, feindlich empfangen*: (पुरम्) अहम्स्त्रैर्वहुविधैः प्रत्यगृह्णम् (sic) MBu. 3, 12225. तं शौरैः प्रतिजग्राह Ragh. 12, 47. — 7) *Jmd freundlich aufnehmen, willkommen heissen*: प्रति गृह्णीत मानवम् RV. 10, 62, 1. AV. 2, 34, 5. स चैनं वृत्तपानाभ्यां वाङ्मयां प्रत्यगृह्णात् MBu. 3, 1774. पूज-या परया 2871. 10865. 4, 223. Benf. Chr. 18, 36. 21, 7. N. 23, 2. R. 2, 26, 36. 3, 2, 8. 16, 40. 4, 21, 23. Çāk. 30, 3. 65, 9. 112, 16. Buāg. P. 3, 21, 48. *für sich gewinnen*: (तम्) प्रतिगृह्य प्रणयिनी प्रथमं मुक्ततेन वै R. 3, 33, 6. — 8) *ein Mädchen zur Ehe nehmen*: प्रतिग्रहीता तामस्मि MBu. 1, 1854. विधिवत्प्रतिगृह्यापि त्यजेत्कन्यां विगर्हिताम् M. 9, 72. न ताः स्म प्रति-गृह्णाति सर्वे ते देवदानवाः R. 1, 45, 35. 3, 20, 11. कन्या पत्नीवे प्रतिगृ-ह्यताम् Buāg. P. 6, 4, 15. कुमारम् *einen Jüngling sich zum Manne er-  
wählen* Ragh. 6, 80. — 9) *vernehmen, mit Wohlgefallen vernehmen*: प्रि-यमाख्यामि ते देवि राघवस्य महाजयम् । धर्मज्ञे वर्धसे दिद्या ज्ञयो ऽयं प्र-तिगृह्यताम् ॥ R. 6, 98, 6. आश्चर्यमिति तस्यैतद्वचनम् — प्रतिजग्राह 3. 13 20. अमोघाः प्रतिगृह्णतौ — आशिषः Ragh. 1, 44. *einen ausgesprochenen Gedanken, Wunsch als eine gute Vorbedeutung aufnehmen*: प्रतिगृहीतं वचः सिद्धिर्दर्शिनो ब्राह्मणस्य Mālav. 34, 2. 73, 14. Çāk. 7, 8. Vier. 20, 21. *eine Rede annehmen, mit ihr sich einverstanden erklären, auf sie hören*. *willig hinnehmen*: कञ्चिद्वचः प्रतिगृह्णाति तच्च MBu. 14, 239. 3, 16663. तदावयम् — न प्रतिजग्राह मर्तुकाम ह्यौषधम् R. 3, 44, 1. 4, 8, 58. Buāg.